Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12** ] [ Total No. of Printed Pages : **3**

# UGA–236

## B.A. (Part–II) Examination, 2021

## RAJASTHANI

Paper - I

### (मध्यकालीन राजस्थानी काव्य)

*Time : 1½ Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**(सवालां रा जबाव राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सकै।)**

**खण्ड–अ** **(अंक : 2 × 10 = 20)**

**नोट** :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **50** सबद। हरेक सवाल **2** अंक रो है।

**खण्ड–ब** **(अंक : 8 × 5 = 40)**

**नोट** :– सात मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **200** सबद। हरेक सवाल **8** अंक रो है।

**खण्ड–स** **(अंक : 20 × 2 = 40)**

**नोट** :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर-सीमा **500** सबद। हरेक सवाल **20** अंक रो है।

**खण्ड–अ**

1. (i) 'नागदमण' काव्य री भाषा शैली कुणसी है ?

   (ii) 'नागदमण' काव्य में खास रूप सूं कुणसा छंद नै कवि काम में लियौ है ?

(iii) 'विहांणूं नवो नाथ जागो वहेला।' चरण में कुणसो अलंकार है ?

(iv) 'तदै नंद रै नेस बलभद्र न हुंता।' चरण में कुण सा अलंकार रौ कुणसो भेद है ?

(v) 'नागदमण' काव्य रा रचयिता कुण है ?

(vi) 'राजिया रा दूहा' रा रचयिता रौ नाम लिखो।

(vii) 'राजिया रा दूहा' किण कोटि री रचना है ?

(viii) राजिया किण रा सेवक हा ?

(ix) मध्यकालीन दो भगतीपरक रचनावां रा नाम लिखो।

(x) मध्यकालीन दो नीतिपरक रचनावां रा नाम लिखो।

**खण्ड–ब**

2. नीचै लिख्यां छंद री सप्रसंग व्याख्या करो :

जदुनाथ काळी समी बाथ जोड़ै,

घंणी भोम चाली चढी बात घोड़ै।

ऊभा गाय गोवाळ झूरंत आरै,

हाहाकार हक्कार संसार सारै॥

3. नीचै लिख्यां छंद री सप्रसंग व्याख्या करो :

जोवौ नंद रै ग्रेह खत्रवट्ट जागी,

हिवै लागवा संक त्रीलोक लागी।

कहूं नागणी सुंण तूं रोप कांनै,

मिळै दादुरां मेह तो साच मानै॥

4. 'राजिया रा दूहा' काव्य में झूठा अर नाजोगा रै लखण सूं जुड़ी बातां है। ओपता दाखलां सागै इण बात नै पुख्ताऊ करो।

5. नीचै लिख्या छंद री सप्रसंग व्याख्या करो :

खग-झड़ वाग्यां खेत, जिण पर पग पाछो दियै।

रजपूती में रेत, राळ नचींतो, राजिया॥

खळ-गुळ अगकूतांह, एक भाव कर आदरै।

ते नगरी हूंतांह, रोही आछी, राजिया॥

6. नीचै लिख्यां छंद री सप्रसंग व्याख्या करो :

औरूं अकल उपाय, कर आछी, भूंडी न कर।

जग सौ चाल्यौ जाय, रेळा कीज्यूं राजिया॥

आछो मान अभाव मत-हीणा केई मिनख।

पुटिया की ज्यों पांव राखै ऊपर राजिया॥

7. 'नागदमण' काव्य में आया कालिया नाग रौ चरितर ओपतां दाखलां दैवता आपणै सबदां में बखान करौ।

8. 'नागदमण' काव्य रौ भाव पख री दीठ सू विरोळ करौ।

**खण्ड-स**

9. 'राजिया रा दूहा' काव्य आज रै समाज रौ जघारथ चितरण करै। किण भांत ? ओपतां दाखलां सागै वाक्य री सोच रौ बखान करो।

10. कवि किरपाराम जी आपणी रचना में मिनखा नै आछै जीवण खातर उपदेस री बात करै। किण भांत ? उदाहरण सागै वाक्य री सोच रौ बखान करौ।

11. खण्ड काव्य नै समझावता इण परम्परा में नागदमण काव्य रौ महतव बतावौ।

12. सांया झूला रचियौ काव्य में विजोग सिंणगार रौ सांतरौ रूप नजर आवै। किण भांत ? ओपतां दाखलां सागै समझावो।